

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, बॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, यो बॉल, शॉफट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी-टी टेबल, टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बैट, टी-टी बैट, टेक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...



कब तक छला जाएगा संस्कारधानी?

रिक्शा, ठेला वाले से लेकर दुकानदारों उद्योगपति सभी की मांग मेट्रो चलना ही चाहिए

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। बहु प्रतीक्षित मेट्रो के नाम पर एक बार फिर से राजनांदगांव को चला गया है जिससे लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। सूत्र बता रहे हैं कि प्रदेश में बहु प्रतीक्षित मेट्रो के संचालक को लेकर रायपुर से दुर्ग के मध्य सर्वे का कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन संस्कारधानी राजनांदगांव की फिर से उपेक्षा कर दी गई है, जिससे संस्कारधानी राजनांदगांव में काफी नाराजगी भी देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि नवभारत समाचार पत्र समूह द्वारा भी रायपुर राजधानी से संस्कारधानी राजनांदगांव तक मेट्रो संचालन को लेकर एक अभियान भी चलाया गया था। इस अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों से लेकर व्यापारी और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से भी विशेष चर्चा की गई थी। भाजपा के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने भी संस्कारधानी राजनांदगांव तक मेट्रो संचालन करवाए जाने की बातें कही थी। लेकर संस्कारधानी की उपेक्षा कर दी गई है। राजधानी रायपुर से दुर्ग तक की सर्वे कराया जा रहा है। संस्कारधानी राजनांदगांव तक सर्वे नहीं कराए जाने से क्षेत्र में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। शहर वाली दुपु रहे तो राजनाथ को जिला मेट्रो सुविधा से पूरी तरह से वंचित हो जाएंगे। बार-बार ध्यान दिलाए जाने के बाद भी प्रदेश स्तर पर अभी तक इसको लेकर कोई विशेष पहल नहीं की जा रही है, जिससे शहर वासियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। बहु प्रतीक्षित मेट्रो के नाम पर एक बार फिर से राजनांदगांव को चला गया है जिससे लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। सूत्र बता रहे हैं कि प्रदेश में बहु प्रतीक्षित मेट्रो के संचालक को लेकर रायपुर से दुर्ग के मध्य सर्वे का कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन संस्कारधानी राजनांदगांव की फिर से उपेक्षा कर दी गई है, जिससे संस्कारधानी राजनांदगांव में काफी नाराजगी भी देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि नवभारत समाचार पत्र समूह द्वारा भी रायपुर राजधानी से संस्कारधानी राजनांदगांव तक मेट्रो संचालन को लेकर एक अभियान भी चलाया गया था। इस अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों से लेकर व्यापारी और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से भी विशेष चर्चा की गई थी। भाजपा के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने भी संस्कारधानी राजनांदगांव तक मेट्रो संचालन करवाए जाने की बातें कही थी। लेकर संस्कारधानी की उपेक्षा कर दी गई है। राजधानी रायपुर से दुर्ग तक की सर्वे कराया जा रहा है। संस्कारधानी राजनांदगांव तक सर्वे नहीं कराए जाने से क्षेत्र में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। शहर वाली दुपु रहे तो राजनाथ को

जिला मेट्रो सुविधा से पूरी तरह से वंचित हो जाएगा। बार-बार ध्यान दिलाए जाने के बाद भी प्रदेश स्तर पर अभी तक इसको लेकर कोई विशेष पहल नहीं की जा रही है, जिससे शहर वासियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

चुप रहे तो शहर हो जाएगा मेट्रो सुविधा से वंचित
मेट्रो के नाम पर फिर छला गया राजनांदगांव, जिले के रहवासियों में काफी नाराजगी मेट्रो के लिए दुर्ग तक शुरू हुआ सर्वे, राजनांदगांव की हुई उपेक्षा से नाराजगी पूर्व में स्थानीय जन प्रतिनिधियों से भी की जा चुकी है मांग

लेकर कोई विशेष पहल नहीं की जा रही है, जिससे शहर वासियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

जाना हो कि मेट्रो संचालन को लेकर संस्कारधानी में भी समय-समय पर जन प्रतिनिधियों से लेकर व्यापारी और प्रबुद्ध नागरिकों ने अपनी अपनी बातें साशन के समक्ष रख चुके हैं, लेकिन अभी तक उसमें कोई पहल शुरू नहीं की गई है। सूत्र बता रहे हैं कि राजधानी रायपुर से दुर्ग के बीच मेट्रो संचालन के लिए सर्वे का कार्य भी शुरू कर दिया गया है, जिसको जानकारी

राजनांदगांव के बीच कराए जाने से न केवल व्यापारियों को भी अपने कामकाज को सुचारु रूप से संपादित करने में सक्षमता मिलने को संभावना बताई जा रही है। बल्कि आम लोगों को भी आने-जाने में सक्षमता मिलने की संभावना जताई जा चुकी है। प्रदेश सरकार के बजट में राजधानी रायपुर से दुर्ग के बीच ही मेट्रो संचालन को लेकर राशि का प्रावधान किया गया है। उसके बाद से संस्कारधानी राजनांदगांव तक मेट्रो संचालन कराए जाने की मांग को जा रही

संभावना भी है। धर्मनगर डोंगरगढ़ में आचार्य विद्यासागर महाजन जी की स्मार्थ स्थल है। भाजपा जैतम बुद्ध जी की प्रतिमा स्थापित है जिसका दर्शन करने के लिए देश-विदेश से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अन्य जिलों से भी अधिक से अधिक लोगों की आवाजाही भी होती है। राजनांदगांव बिला मण्डाल से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में विद्यापी, व्यापारी, नौकरी पेशा करने वाले लोग भी रायपुर आना जाना करते हैं। मेट्रो का संचालन होने से निश्चित ही आने वाले दिनों में अधिक से अधिक लोगों की मिलेगा। वर्तमान में दो दर्जन से अधिक एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपिज भी राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में नहीं होने से जिले की उपेक्षा हो रही है। अब मेट्रो को लेकर भी राजनांदगांव की उपेक्षा करने की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिससे क्षेत्र में नाराजगी बढ़ रही है। अगर चुप रहे नु निश्चित ही एक बार फिर संस्कारधानी राजनांदगांव मेट्रो की सुविधा से वंचित हो जाएगा।

एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस ट्रेनों का भी नहीं है स्टॉपिज
पूर्व के राजाओं के साथ अनुबंध होने के बाद भी दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपिज तक नहीं हो पाया है। बार-बार ध्यान दिलाए जाने के बाद भी स्थानीय जनप्रतिनिधि इस पर गंभीरता नहीं दिख रहे हैं। इससे भी लोगों में काफी नाराजगी भी देखने को मिल रही है। लंबे समय से साशन एक्सप्रेस, बेवला एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस सहित अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को लेकर फेरे राजनांदगांव तक बढ़ाने की मांग की जा रही है। वर्तमान साशन सेलेप पण्डे के समक्ष भी जिले के नागरिकों ने अपनी मांग रखी है। सिर्फ आशासर पर आशासर ही मिल रहे हैं।

विद्यार्थियों से लेकर व्यापारी तथा आम लोगों को काफी मिल सकती है राहत
मेट्रो का संचालन राजधानी रायपुर से संस्कार धनी राजनांदगांव के बीच कराए जाने से निश्चित ही आने वाले दिनों में सैकड़ों विद्यार्थियों के साथ-साथ व्यवसाय करने वाले व्यापारियों के साथ साथ आम लोगों को भी आने-जाने में काफी राहत मिल सकती है। राजनांदगांव बिला मण्डाल से राजधानी रायपुर के मध्य बस तथा ट्रेनों से सैकड़ों लोग प्रतिदिन आना-जाना करते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों का भी आना-जाना ट्रेन तथा बसों से ही होता है।